संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -259 शनिवार ,20 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का बीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

हवा-हवाई निकला स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का दावा...?

» प्रदेश के कई जिलों में मलेरिया और डायरिया से बिगड़े हालात...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। पखवाड़े भर के भीतर प्रदेश के कई जिलों में मलेरिया और डायरिया ने विकराल रूप ले लिया है...लोगों की मौते हो रही हैं...प्रभावित क्षेत्र में हाहाकर मचा हुआ है...स्वास्थ्य केन्द्रों में स्थिति बद से बदत्तर होती जा रही है...बस्तर अंचल के साथ ही अब मैदानी ईलाके में भी स्थिति बिगड़ती जा रही है।... प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने मलेरिया और डायरिया की रोकथाम के लिए पिछले दिनों हवा-हवाई दावा किया था उसके बाद हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। स्थिति इतनी खतरनाक हो चुकी है इसके बारे में लगातार खबरों का प्रकाशन विभिन्न समाचार-पत्रों में किया जा रहा है, इस पर अब स्वतः माननीय उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। माननीय न्यायालय द्वारा संज्ञान लेने पर यह समझा जा सकता है कि वास्तव मे स्थिति बेहद खराब है,और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री हाथ पर हाथ धरे बैठकर आज भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर खुद को भारी बतला रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से दो सगे भाईयों की मौत

ईधर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा हवा हवाई बयानबाजी करते हुए मलेरिया और डायरिया पर नियंत्रण का दावा कुछ दिन पहले ही किया था जिसके बाद बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र में दो सगे भाईयों की मौत का मामला सामने आया है। विभागीय लापरवाही से दोनो सगे भाईयों की मौत हुई है। बतलाया जाता है कि कोटा विधानसभा अंतर्गत ग्राम करवां निवासी जब्बार के दोनो पुत्र इरफान और इमरान को मलेरिया की शिकायत थी,वे अपने दोनों पुत्रों को लेकर टेंगनमाड़ा स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे थे जहां पर कोई भी डॉक्टर ना होने से मजबूरीवश गांव के झोलाछाप डॉक्टर से ईलाज करवाया गया और अंततः दोनों पुत्रों की मौत हो गई। इस क्षेत्र मे भर्राशाही का आलम यह है कि ना तो दवा का छिड़काव किया गया है और ना ही मच्छरदानी का वितरण किया गया है। इस क्षेत्र में 100 से अधिक घरों में मलेरिया पीड़ित मरीज हैं। अखबार का विज्ञापन रोककर कमियों को छिपाने की कोशिश में लगे स्वास्थ्य मंत्री के विभाग का आलम है कि इस क्षेत्र के टेंगनमाड़ा,खोंगसरा,बेलगहना,केंदों आदि क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर नही रहते। जानकारी है कि कोटा क्षेत्र के 50 से अधिक गांव अति संवेदनशील हैं।

बिलासपुर और मुंगेली जिले में हालात बिगड़े

प्रदेश के मैदानी क्षेत्र बिलासपुर एवं मुंगेली जिले में लगातार मलेरिया पीड़ितों की संख्या मे ईजाफा हो रहा है जो कि सोचनीय विषय है। मुंगेली जिले के अचानकमार क्षेत्र में भी मलेरिया पीड़ित मरीज मिले हैं। बतलाया जाता है कि मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। कई क्षेत्रों में डीडीटी दवा का छिड़काव तक नहीं हुआ है। दवा छिड़काव ना होने का नतीजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इससे लोगों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति खासा आक्रोश भी व्याप्त है।

रतनपुर क्षेत्र में डायरिया का कहर

बस्तर अंचल के साथ ही बिलासपुर जिले के रतनपुर में डायरिया लगातार कहर बरपा रहा है और प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है। बतलाया जाता है कि रतनपुर क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से हर दिन डायरिया के मरीज मिल रहे हैं,दिनों दिन हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। गुरूवार को ही यहां 18 मरीज मिले हैं। वर्तमान में कुल 27 मरीज भर्ती हैं।

उच्च न्यायालय ने लिया स्वतःसंज्ञान

प्रदेश में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप और हो रही मौत की खबरों पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने भी स्वतःसंज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मलेरिया से मौत मामले में राज्य शासन को नोटिस जारी कर मुख्य सचिव को तलब किया है। डिवीजन बेंच ने नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि पहले से इस संबंध में तैयारी क्यों नही की गई। बस्तर और बिलासपुर जिले में मलेरिया से मौत तथा रतनपुर क्षेत्र में उल्टी दस्त से मौत एवं संक्रमण फैलने को लेकर इसे माननीय न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की है। माननीय न्यायालय ने शासन से यह भी पूछा है कि आप इस मामले पर क्या कर रहे हैं। शासन की ओर से जवाब के लिए समय की मांग की गई है। मामले में मुख्य सचिव,सचिव स्वास्थ्य,सचिव शिक्षा, कलेक्टर बिलासपुर, कलेक्टर बीजापुर, स्वास्थ्य संचालक, सीएमएचओ समेत 11 लोगों को पक्षकार बनाया है।

माननीय न्यायालय के द्वारा संज्ञान की खबरों का प्रकाशन भी गुनाह है क्या मंत्री जी?

माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी,विभाग में भर्राशाही,अनाप शनाप खरीदी,मनमानी और मनचाही पोस्टिंग,दलाली, तो व्याप्त है ही अब विभागीय लापरवाही के कारण लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ रही है। माननीय न्यायालय द्वारा इस पर स्वतः संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया गया है। और इस खबर को भी प्रकाशित किया जा रहा है। अब आप खुद ही बताईये क्या माननीय न्यायालय के द्वारा संज्ञान की खबरों का प्रकाशन करना भी गुनाह है क्या। इस खबर पर भी आपके द्वारा यदि लोकतंत्र की आवाज को दबाने के लिए विज्ञापन रोकने जैसा कुत्सित प्रयास करना अति निंदनीय और शर्मनाक है।

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

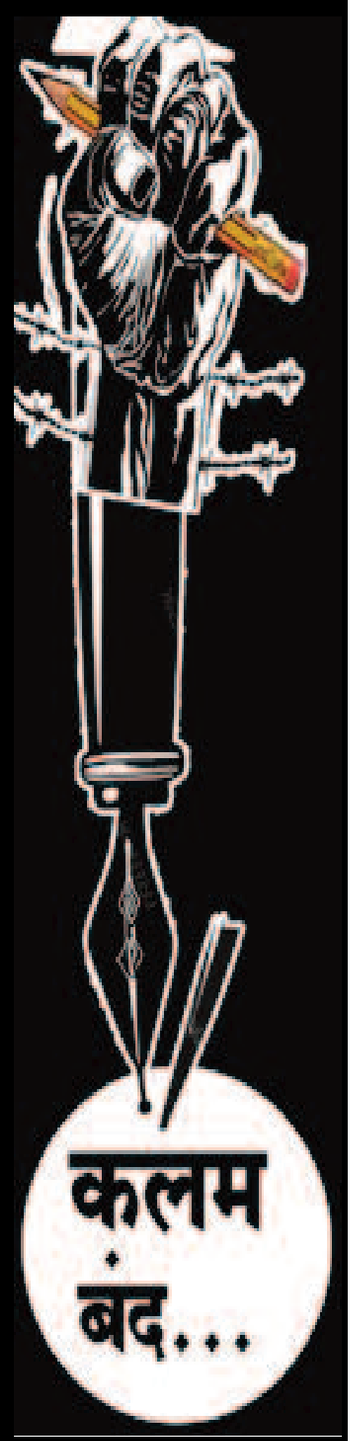

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का बीसवां दिन

?

कलम बंद...का बीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

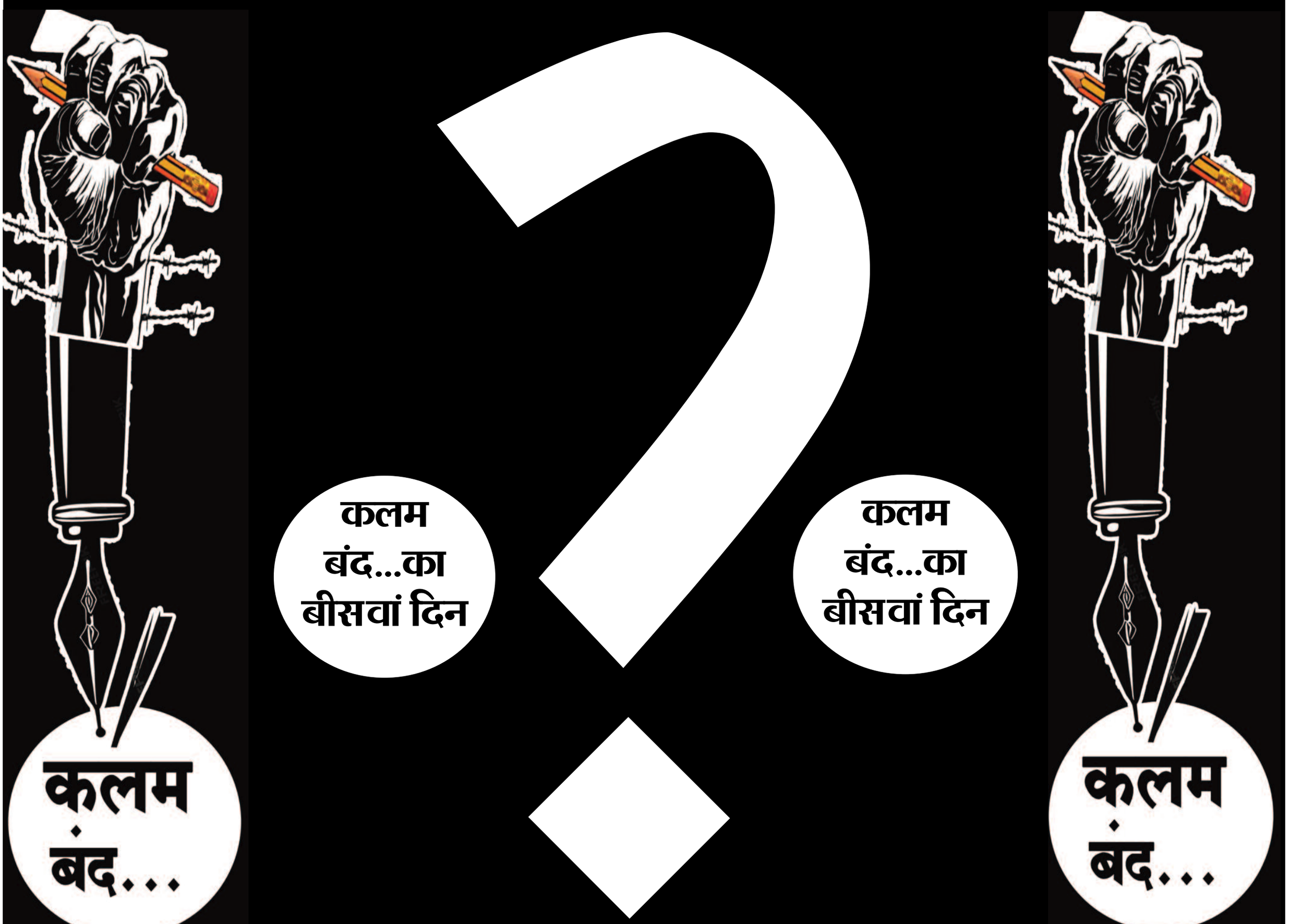

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

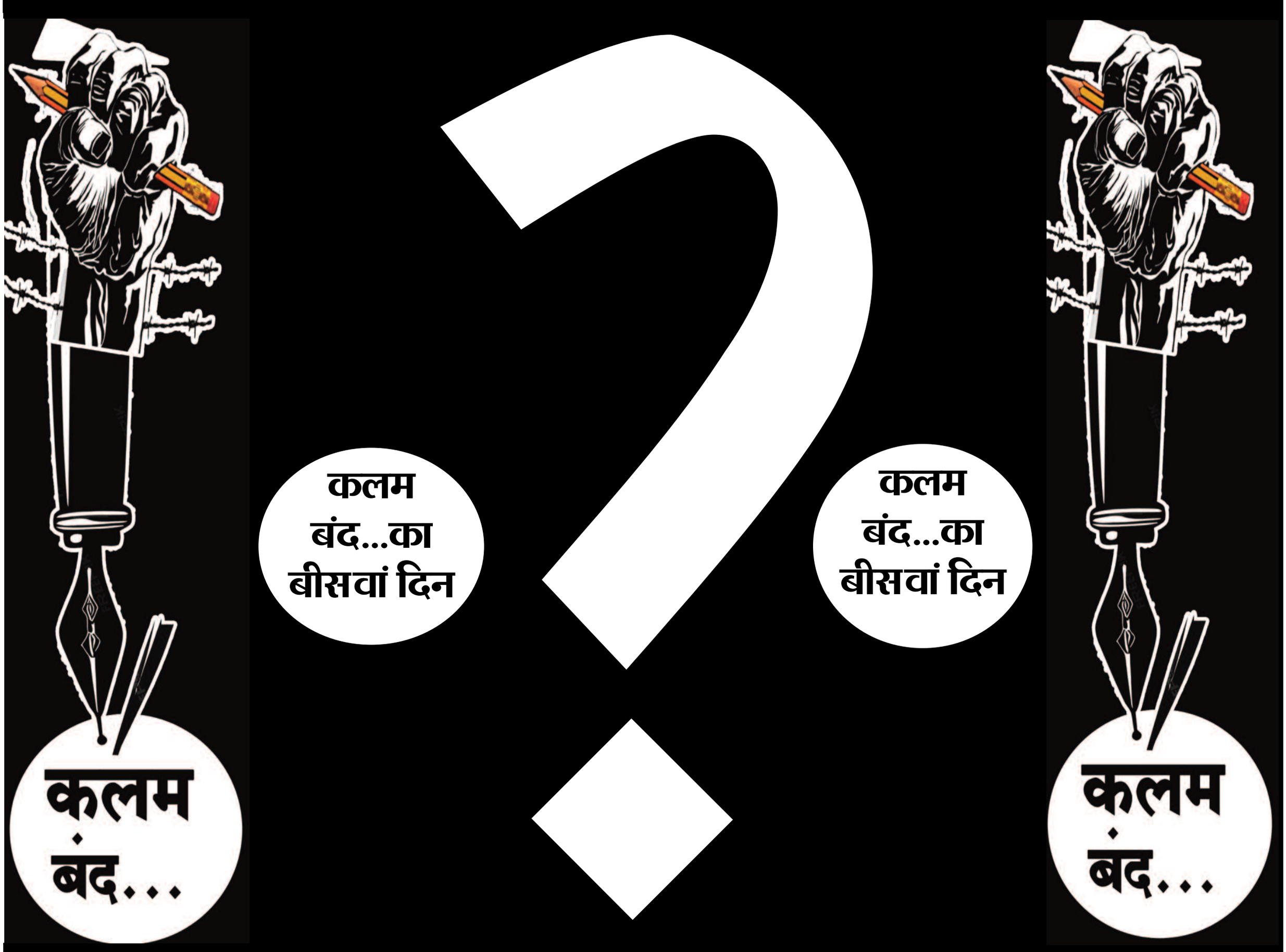

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

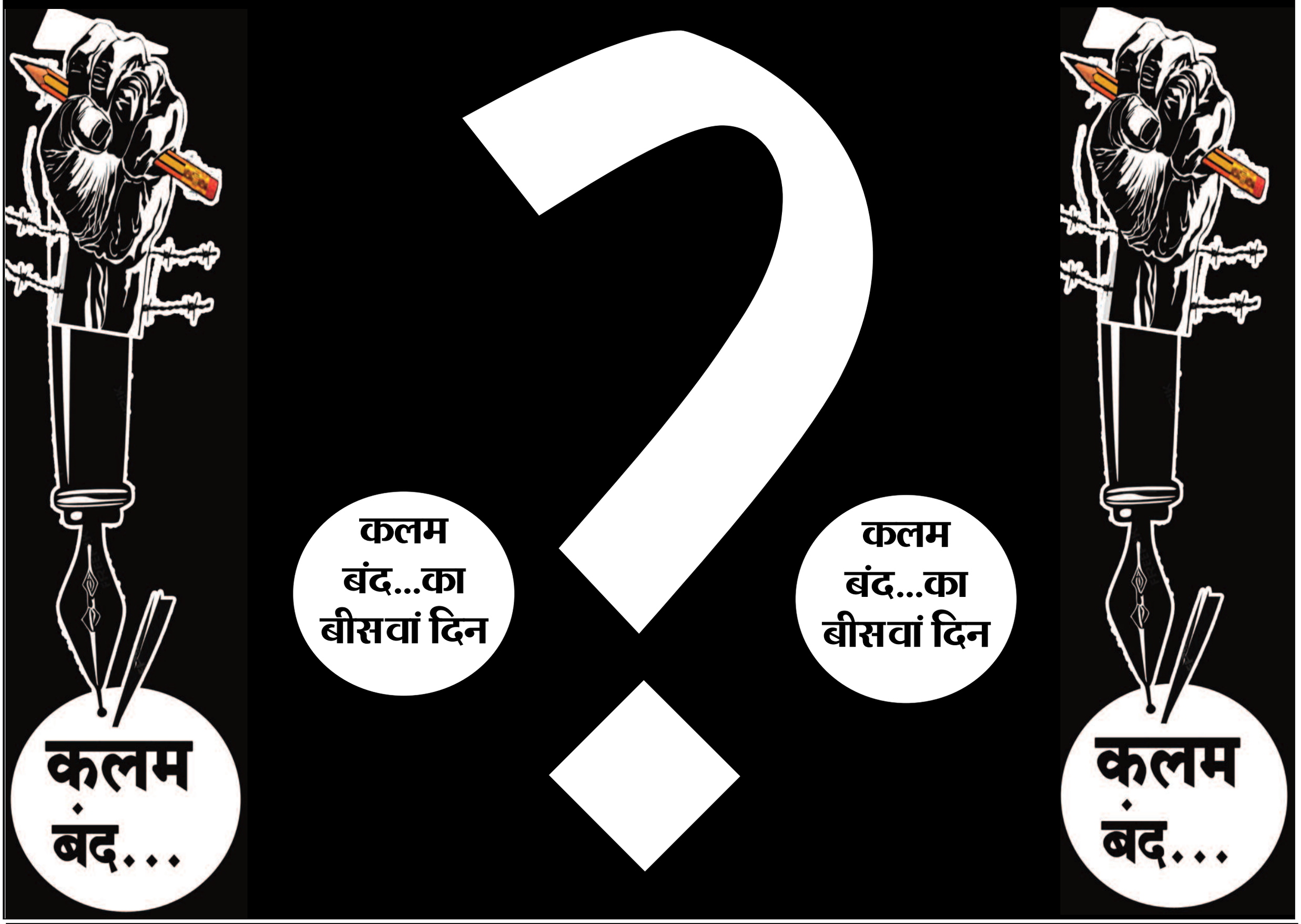

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

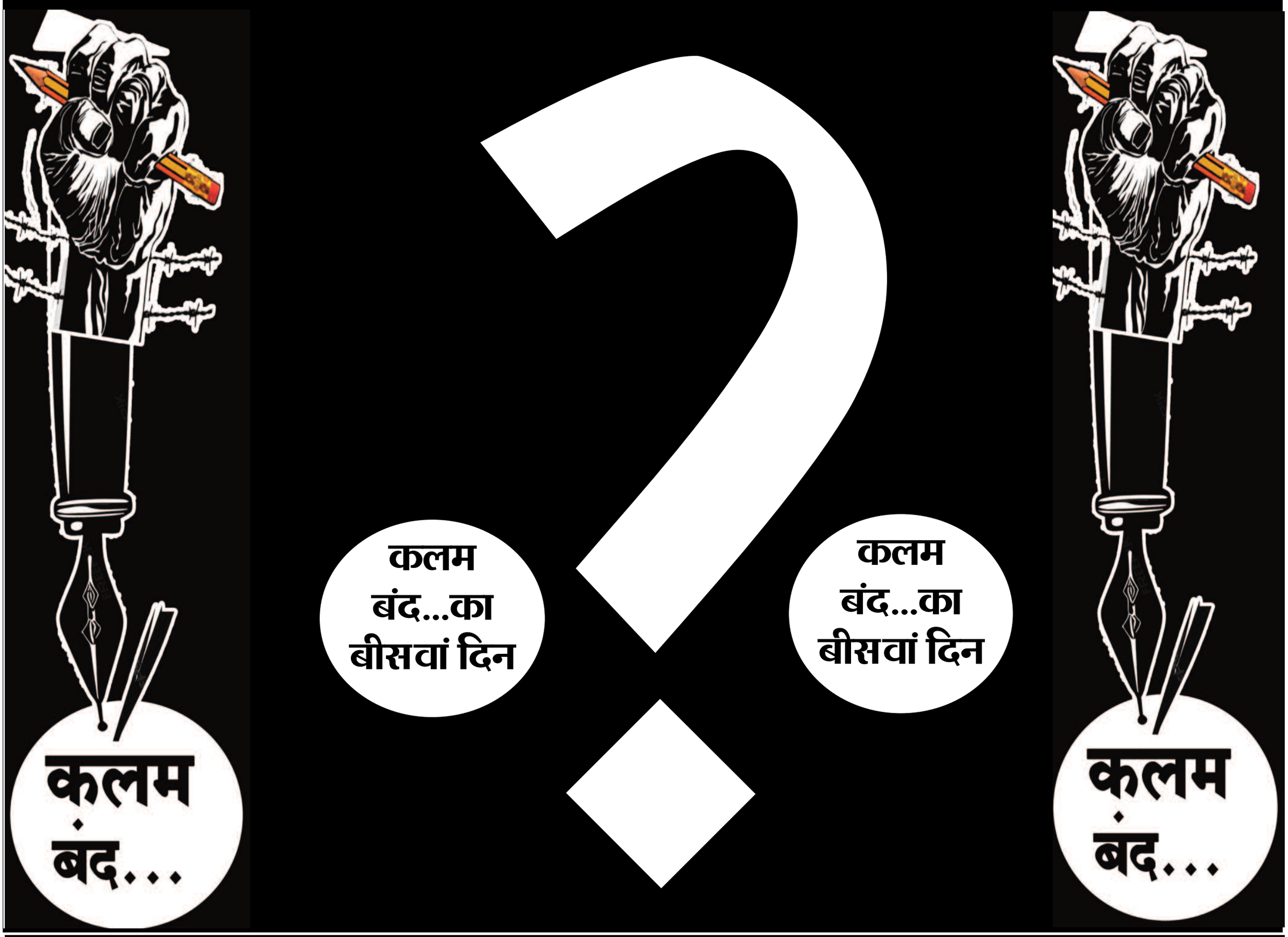

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

दीप्ति शर्मा की द हंड्रेड में हुई वापसी

» आगामी सीजन में इस टीम से आएंगी खेलते हुए नजर...

नई दिल्ली,19 जुलाई 2024। इंग्लैंड में 23 जुलाई से महिला द हंड्रेड के आगामी सीजन की शुरुआत होगी। इसमें भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी भी अलग-अलग टीमों से खेलते हुए दिखेंगी जिसमें अब एक नाम ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का भी जुड़ गया है। लंदन स्पिरिट की टीम ने चोटिल खिलाड़ी ग्रेस हैरिस की जगह पर दीप्ति शर्मा को अपनी टीम से जोड़ा है। दीप्ति ने इससे पहले साल 2021 में खेले गए द हंड्रेड के पहले सीजन में लंदन स्पिरिट की टीम से खेला था। वहीं इसके बाद अगले सीजन में वह बर्मिंघम फोनिक्स टीम का हिस्सा थे जिसमें उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

महिला एशिया कप की वजह से शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगी दीप्ति

भारतीय महिला टीम अभी श्रीलंका में होने जा रहे महिला एशिया कप में हिस्सा लेने पहुंची है जिसमें दीप्ति शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं ऐसे में इस टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद ही दीप्ति शर्मा महिला द हंड्रेड के आगामी सीजन में हिस्सा ले पाएंगी। इससे साफ है कि वह टूर्नामेंट के शुरुआती कुछ मुकाबलों में खेलते हुए नहीं दिखाई देंगी। लंदन स्पिरिट की टीम ने दीप्ति की गैरमौजूदगी में शुरुआती 2 मुकाबलों के लिए एरिन बर्न्स को अपनी टीम का हिस्सा बनाया है। दीप्ति के अलावा भारतीय महिला टीम की कुछ और खिलाड़ी भी द हंड्रेड के आगामी सीजन में खेलते हुए दिखाई देंगी।

ऋचा घोष और स्मृति मंधाना इन टीमों का हिस्सा

महिला द हंड्रेड के आगामी सीजन में दीप्ति के अलावा अन्य भारतीय टीम के खिलाड़ियों को लेकर बात की जाए तो उसमें ओपनिंग बल्लेबाज ऋचा घोष को बर्मिंघम फोनिक्स की टीम से खेलते हुए देखने को मिलेगा तो वहीं स्मृति मंधाना साउदर्न ब्रेव की टीम से खेलते हुए दिखाई देंगी। हालांकि ये दोनों ही खिलाड़ी दीप्ति की ही तरफ महिला एशिया कप टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद इस लीग में खेलने के लिए उपलब्ध हो पाएंगी।

पेरिस ओलिंपिक 2024 में खेलेगी इजरायली फुटबॉल टीम

» फीफा ने प्रतिबंध पर फैसला टाला

ज्यूरिख,19 जुलाई 2024। फीफा ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है, जिससे इजरायली फुटबॉल टीम पेरिस ओलिंपिक में खेल सकेगी। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को आमसभा की असाधारण बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था। यह फैसला ओलिंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता, जिसमें इजरायल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। फीफा ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलिंपिक के बाद आएगा। फीफा ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपना अपना पक्ष रखने के लिए समय सीमा बढाने का अनुरोध किया है, इसके मायने हैं कि स्वतंत्र आकलन अब फीफा को 31 अगस्त से पहले नहीं सौंपा जा सकेगा। ओलिंपिक फुटबॉल पुरूष फाइनल नौ अगस्त को है।

रॉकी इंग्लैंड के लिए अंडर-19 में शतक लगाने वाले बने सबसे युवा खिलाड़ी

बर्मिंघम,19 जुलाई 2024। वर्ल्ड क्रिकेट जब भी दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ियों की लिस्ट देखी जाएगी तो उसमें एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम हमेशा शामिल होगा। भले ही उन्हें संन्यास लिए हुए काफी समय क्यों ना बीत गया हो लेकिन आज फैंस उनके खेल के दिवाने हैं। हालांकि इस बार सीनियर फ्लिंटॉफ ने नहीं बल्कि उनके बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ का मैदान पर कारनामा देखने को मिला है, जिसमें इंग्लैंड अंडर 19 और श्रीलंका अंडर 19 टीम के बीच खेले जा रहे यूथ टेस्ट क्रिकेट मैच की सीरीज में रॉकी के बल्ले से शानदार शतकीय पारी देखने को मिली है। इस शतक के दम पर रॉकी ने एक बड़ा कारनामा भी अपने नाम कर लिया है।

इंग्लैंड और श्रीलंका की अंडर 19 टीम के बीच दूसरा यूथ टेस्ट मैच चेल्टेनहैम के मैदान पर खेला जा रहा है। इसके तीसरे दिन के खेल में इंग्लैंड की टीम का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिला। 16 साल के रॉकी के बल्ले से 106 रनों की पारी देखने को मिली जिसके बाद वह अब इंग्लैंड के अंडर 19 में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के तौर पर ऐसा कारनामा करने वाली बन गए हैं। रॉकी की पारी चलते इंग्लैंड की टीम श्रीलंका के पहले पारी के स्कोर के मुकाबले 324 रनों की बड़ी बढ़त भी हासिल करने में कामयाब हुई। रॉकी फ्लिंटॉफ की पारी को लेकर बात की जाए तो उन्होंने 181 गेंदों का सामना किया जिसमें 2 छक्कों के साथ 9 चौके भी लगाए।

विवादों में फंसे गौतम गंभीर ?

» श्रीलंका दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम के बाद बवाल

» नए कोच गौतम पर पक्षपात और बदला लेने के गंभीर आरोप

» धोनी के चहेते प्लेयर्स को चुन-चुनकर बाहर करने का इलजाम

नई दिल्ली,19 जुलाई 2024। बतौर हेड कोच पहली बार भारतीय स्क्वॉड चुनने के साथ ही गौतम गंभीर विवादों में फंस चुके हैं। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी-20 और वनडे टीम की घोषणा की गई। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के नए कप्तान चुन लिए गए हैं। इसके अलावा रुतुराज गायकवाड़, रविंद्र जडेजा सरीखे दिग्गजों को बाहर करने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। इंटरनेट पर फैंस गौतम गंभीर पर मनमानी करने का आरोप लगा रहे हैं। इतना ही कुछ लोग तो ये तक कहने से भी नहीं चूके कि गंभीर जानबूझकर उन लोगों का पत्ता काट रहे हैं, जिनके पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अच्छे रिश्ते हैं। नवभारत टाइम्स ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं करता, लेकिन ये जानना भी जरूरी हैं कि धोनी से जुड़े वो कौन से खिलाड़ी है, जिन्हें टीम में नहीं चुना गया।

. रुतुराज गायकवाड़

इस खिलाड़ी को महेंद्र सिंह धोनी का बेहद करीबी माना जाता है। आईपीएल में धोनी ने गायकवाड़ को अपनी कप्तानी में ग्रूम किया अब गायकवाड़ चेन्नई सुपरकिंग्स के नए कप्तान हैं। वर्ल्ड कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे दौरे पर महाराष्ट्र के इस ओपनर ने 7, 77* और 49 रन की पारी खेली थी। इसी तरह जिम्बाब्वे दौरे पर टी-20 में 46 गेंद में शतक बनाने वाले अभिषेक शर्मा टीम में जगह नहीं बना पाए क्योंकि तीसरे नंबर पर उनके लिए कोई जगह नहीं है जहां कप्तान खुद बल्लेबाजी करेंगे।

रविंद्र जडेजा

इस लिस्ट में दूसरा नाम रविंद्र जडेजा का है। धोनी और जडेजा की जुगलबंदी भी किसी से छिपी नहीं है। दोनों आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के दो सबसे मजबूत आधार स्तंभ हैं। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेने वाले जडेजा वनडे टीम से बाहर हैं। सूत्रों की माने तो जडेजा नए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के प्लान का हिस्सा नहीं है। ऐसे में अब उनके पास सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही बचा है।

हार्दिक पंड्या

मौजूदा टीम इंडिया में महेंद्र सिंह धोनी के सबसे खास लोगों में पंड्या का नाम भी शामिल है। पंड्या और धोनी मैदान के भीतर और बाहर दोनों ही जगहों पर खास बॉन्ड शेयर करते हैं। इस बीच गौतम गंभीर का पद संभालते ही पंड्या की कप्तानी छीनकर सूर्या को थमा देना भी इस विवाद को हवा देता है। कप्तानी गंवाने वाले पंड्या को टी-20 टीम में जगह मिली है, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में नहीं खेलने का फैसला किया है। दूसरी ओर रियान पराग को टी-20 और वनडे दोनों टीम में जगह मिली है।

टी-20 और वनडे सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज।

ओडीआई: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

राष्ट्रीय खेल हॉकी में कितना मजबूत है भारत का दावा

नई दिल्ली,19 जुलाई 2024। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है। आधुनिक ओलिंपिक खेलों की शुरुआत के बाद से भारत जैसी कामयाबी किसी टीम को नहीं मिली। भारत ने हॉकी में कुल आठ गोल्ड मेडल जीते हैं, जिसमें छह स्वर्ण पदक तो लगातार आए। तोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत ने पदकों का 41 साल का सूखा खत्म किया था। अगर इस बार भी हमारे साथ चर्चा की ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट जफर इकबाल ने, जो भारत के पूर्व कप्तान रह चुके हैं और उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा गया है।

पॉजिटिव माइंडसेट बेहद अहम

पद्मश्री जफर इकबाल की माने तो ओलिंपिक में भाग लेने पहुंचीं सभी 12 टीमें शानदार हैं और पदक जीतने के इरादे के साथ ही पेरिस में कदम रखेंगी। भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से है, इनसे पिछली टक्कर बीते साल भुवनेश्वर में आयोजित वर्ल्ड कप में हुई थी। तब भारत पेनल्टी शूटआउट में हारा था। वैसे ओलिंपिक जैसे महाआयोजन में टीमों के पिछले आंकड़ें ज्यादा मायने नहीं रखते। इस बात का महत्व होता है कि हम पॉजिटिव माइंड सेट के साथ पूरा मैच खेलें और आखिर तक अपना दमखम कायम रखें।

पहले मैच में जीत जरूरी

किसी भी इवेंट में पहला मैच बहुत अहम होता है। हमारी टीम को अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होगी और वह पहले मुकाबले में जीत से मिल सकती है। प्लेयर्स को इस मानसिकता के साथ उतरना होगा कि न्यूजीलैंड को हम हराएंगे। खुद पर आत्मविश्वास रखने की जरूर है। भारत के ग्रूप में ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें भी हैं, लेकिन एक अच्छी बात यह है कि भारत के शुरुआती मुकाबले इनसे नहीं हैं। न्यूजीलैंड से यदि पार पा गए तो फिर अर्जेंटीना और आयरलैंड सामने होंगे। हम शुरुआती तीन मैच में ही जीत के साथ नॉकआउट के लिए अपनी जगह पक्की कर सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो फिर हमारे लड़के खुल कर खेल सकते हैं। कोशिश ग्रूप में ज्यादा से ज्यादा ऊपर रहने की होगी ताकि नॉक आउट में दूसरे ग्रुप की थोड़ी कमजोर टीम से ही सामना हो।

देवा रिलीज डेट:शाहिद कपूर को वर्दी में देख थर-थर कापेंगे दुश्मन

पिछली बार तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया जैसी अलग हटकर फिल्म करने वाले एक्टर शाहिद कपूर अब देवा में नजर आएंगे। इस फिल्म में वो पुलिस ऑफिसर के किरदार में होंगे, जिसका रफ-टफ लुक भी रिवील कर दिया गया है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी हैं, जो पत्रकार बनकर तीखे सवाल पूछती नजर आएंगी। इस धमाकेदार एक्शन थ्रिलर मूवी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। जी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स देवा फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। यह फिल्म वैलेंटाइन डे पर 14 फरवरी 2025 को रिलीज हो रही है। इसे जाने-माने मलयालम फिल्ममेकर रोशन एंड्रयूज ने डायरेक्ट किया है और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इसमें भरपूर एक्शन है, जो आपके रोंगटे खड़े कर देगा और जबरदस्त थ्रिलर भी है, जो दिमाग हिला देगा।

स्मार्ट लेकिन विद्रोही पुलिस ऑफिसर बनेंगे शाहिद कपूर

इस फिल्म में जहां शाहिद कपूर एक स्मार्ट लेकिन विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, वहीं, पूजा हेगड़े एक पत्रकार की भूमिका नजर आने वाली हैं। एक हाई-प्रोफाइल मामले की जांच करता है और धोखे और विश्वासघात के जाल का पर्दाफाश करता है, जो उसे एक खतरनाक रास्ते पर ले जाता है। फिल्म में पावेल गुलाटी और कुब्रा सैत भी हैं। साल 2003 में इश्क विश्क फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाले शाहिद को पिछली बार कृति सेनन के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और फर्जी वेब सीरीज में देखा गया था। वो ब्लडी डैडी में भी नजर आए थे।

संजय दत्त की फिल्म डबल इस्मार्ट पर विवाद

» गाने में केसीआर के डायलॉग पर भड़की भारत राष्ट्र समिति ने दी चेतावनी

राम पोथिनेनी और संजय दत्त की तेलुगू फिल्म डबल इस्मार्ट विवाद में फंस गई है। फिल्म के मेकर्स जहां इसे अगस्त महीने में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं अब फिल्म में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के एक डायलॉग के इस्तेमाल पर हल्ला मच गया है। भारत राष्ट्र समिति ने फिल्म के मेकर्स से डायलॉग हटाने की मांग की गई है।

डबल इस्मार्ट साल 2024 की उन फिल्मों में से है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। पहले ही इस फिल्म के थिएटर राइट्स करोड़ों में बिक चुके हैं। इस फिल्म को राम पोथिनेनी की ही 2019 में आई सुपरहिट फिल्म इस्मार्ट शंकर का सीक्वल माना जा रहा है। हाल ही फिल्म का गाना मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज किया। जिस डायलॉग को लेकर विवाद हो रहा है, वह इसी गाने में इस्तेमाल किया गया है।

पवनी गौड़ ने मेकर्स को दी है चेतावनी

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत राष्ट्र समिति की नेता पवनी गौड़ का कहना है कि गाने में पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव का एक डायलॉग है, मेकर्स को इसे हटाना होगा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। गाने में बीआरएस नेता केसीआर के डायलॉग एन चेड्डामंतवु मारी को हुक लाइन के रूप में इस्तेमाल किया गया है। मार मुंथा छोड़ चिंता गाना बीते मंगलवार को ही रिलीज हुआ है और खूब ट्रेंड भी कर रहा है।

15 अगस्त को रिलीज होने वाली है फिल्म डबल इस्मार्ट

बता दें कि गाने में राम पोथिनेनी और काव्या थापर नजर आ रहे हैं। मार मुंथा छोड़ चिंता गाने को कसारला श्याम ने लिखा है। इसमें एक खास हैदराबादी स्लैंग है और यही कारण है कि गाना बड़ी जल्दी लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाने को राहुल सिप्लीगुंज, धनुंजन सीपना और कीर्तना शर्मा ने आवाज दी है। डबल इस्मार्ट फिल्म 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में हैं और उनके किरदार का नाम बिग बुल है।

रोमानिया की खूबसूरत शाम,पर उससे ज्यादा हसीन सुमोना चक्रवर्ती

रूमानी तस्वीरें देख फैंस बोले- खुदा का कहर है!

टीवी एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती यूं तो कई सीरियल्स में काम कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने स्क्रीन पर कपिल शर्मा की बीवी बनकर पहचान मिली। वो भले ही कपिल के नए शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दिखाई ना दे रही हों, लेकिन उनके चाहने वाले उन्हें खूब मिस करते हैं। खैर। सुमोना इस वक्त रोमानिया में हैं। वो स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग करने वहां गई थी, लेकिन उसकी खूबसूरती में कहीं खो सी गई हैं। अब उन्होंने रोमानिया डायरीज से यादों का पिटारा खोल दिया है और नई फोटोज शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद हसीन दिख रही हैं। रेड कलर की ड्रेस पहने सुमोना चक्रवर्ती रोमानिया से अपनी नई तस्वीरों में कहर बरपा रही हैं। कभी सड़क पर चहलकदमी करते हुए आइसक्रीम खाते तो कभी पेड़ की छांव में किताब पढ़ते, सुमोना ने तमाम फोटोज शेयर की हैं।इन तस्वीरों में रोमानिया की खूबसूरत शाम का भी नजारा है, लेकिन सुमोना उससे भी ज्यादा हसीन दिख रही हैं। उन्होंने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, बुकुरेस्टी में लाल रंग का एक तड़का।सुमोना को जल्द ही रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में देखा जाएगा। इस शो में शालीन भनोट, अभिषेक कुमार, शिल्पा शिंदे, आसिम रियाज सहित कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। आप इस शो को कलर्स चैनल पर शनिवार और रविवार रात साढ़े नौ बजे देख सकेंगे। ये शो 27 जुलाई से शुरू हो रहा है।

ओम पुरी की जेब में नहीं थी फूटी कौड़ी,नसीरुद्दीन शाह की वजह से बन पाये एक्टर

साल 1973 फिल्म जंजीर अभिनेता थे अमिताभ बच्चन और दूसरी तरफ प्राण। फिल्म खूब चली, लेकिन उससे कहीं ज्यादा पॉपुलर हुआ इसका गाना यारी है इमान मेरा, यार मेरी जिंदगी। असल जिंदगी में इस गीत का मजबूत उदाहरण अभिनेता नसीरूद्दीन शाह और ओम पुरी ने पेश किया था। बेशक ओम आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन नसीर साहब संग उनके दोस्ताने के किस्से जगजाहिर हैं। एक ऐसा ही रोचक वाकया हम आपको बताने जा रहे हैं। आंखों में बड़े-बड़े सपने लिए ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एक साथ पढ़े थे। 3 साल के कोर्स के दौरान इन दोनों की दोस्ती गहरी होती चली गई और बाद में नसीर और ओम ने करीब दो साल पुणे फिल्म सस्थांन से एक्टिंग की पढ़ाई की। इसको मामले को एक बार द अनुपम खेर शो पर ओम पुरी ने खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है- देखिए मैं नसीरुद्दीन साहब का काफी ऋणी हूं। बेशक मेरे मेंटर कोई भी रहे हों, लेकिन सही मायने में अभिनेता बनने के लिए इन्होंने ही मुझे आगे बढ़ाया है। अगर ये मेरे पीछे न खड़े होते तो शायद मैं आज यहां नहीं होता।पुणे आने के लिए मेरे पास फूटी कौड़ी नहीं थी। इन्होंने मुझसे कहा कुछ भी करो, भीख मांगो, लेकिन यहां आओ। नसीर जी ने मुझे रहने का सहारा दिया और मेरी हर संभव मदद की। जिसके चलते मैं आज ओम पुरी बन पाया। इस तरह से नसीरुद्दीन ने ओम पुरी को लेकर सच्ची दोस्ती की मिसाल कायम की।

इस टीवी शो के दौरान ओम पुरी ने इस बात का खुलासा किया था कि जब वह पहली बार पुणे इंस्टीट्यूट में इंटरव्यू देने जा रहे थे तब उन्हें नसीरुद्दीन शाह ने एक शर्ट गिफ्ट की थी। उन्होंने बताया- मैं इंटरव्यू के लिए निकल रहा था। इन्होंने मेरी शर्ट देखी और बोले ये क्या पहनकर जा रहे हो।इसके साथ ही अपनी एक बढ़िया शर्ट लाकर मुझे दी और फिर उसे पहन कर मैं साक्षात्कार के लिए निकल गया।इसके बाद ओम पुरी ने बताया था कि नसीरुद्दीन शाह ने उन्हें अपने जैसी एक घड़ी भी उपहार में दी थी। जो उस समय द अनुपम खेर शो पर वह पहनकर भी आए थे। बतौर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी हिंदी सिनेमा के लीजेंड रहे। दोनों ने साथ फिल्म बड़े पर्दे पर अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ी है। एक साथ मिलकर इन्होंने मकबूल, आक्रोश, आघात, चाइना गेट, मंडी, अर्ध सत्य, डर्टी पॉलिटिक्स और भूमिका जैसी कई फिल्मों में स्क्रीन साझा की। ऐसी कई फिल्मों के लिए नसीरुद्दीन और ओम पुरी को जोड़ी को सफल माना जाता है। इतना ही नहीं थिएटर्स आर्टिस्ट के तौर भी दोनों मिलकर रंगमंच कार्यक्रम किए।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रामजिनिस प्रसाद पिता-निहोरा प्रसाद जायसवाल अपना पुराना नाम को बदलकर कर नया नाम-रामजिनिस प्रसाद जायसवाल पिता-निहोरा प्रसाद जायसवाल निवासी ग्राम-बदौली,मकान नं0-170 तहसील + थाना-राजपुर, जिला-बलरामपुर (छ0ग0) रख लिया हूं।

अतः मुझे भविष्य में समस्त शासकीय ,अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम-रामजिनिस प्रसाद जायसवाल पिता-निहोरा प्रसाद जायसवाल से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
रामजिनिस प्रसाद जायसवाल
पता-बदौली,मकान नं0-170
थाना-राजपुर,बलरामपुर (छ0ग0)

शरवरी वाघ ने स्पाई यूनिवर्स अल्फा को लेकर की खुलकर बात,बताया इंडस्ट्री में ये एक्ट्रेस हैं उनकी आदर्श

बंटी और बबली 2 से इंडस्ट्री में कदम रखने वाली एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मुंज्या की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस मूवी और इसमें उनके अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया था। यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर हिट भी हुई। एक्ट्रेस वह जल्द ही आलिया भट्ट के साथ स्पाई यूनिवर्स अल्फा का हिस्सा बनने वाली हैं।

अब हाल ही में शरवरी ने इस स्पाई यूनिवर्स अल्फा का हिस्सा बनने के बारे में खुलकर बात की है और साथ ही यह भी बताया है कि वह इंडस्ट्री में किसे अपना आदर्श मानती हैं।

हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या के बाद वह जुनैद खान की डेब्यू मूवी महाराज का भी हिस्सा बनी। इस फिल्मों में काम करके अब उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे अल्फा को लेकर बात की गई।उन्होंने कहा कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना अविश्वसनीय रूप से अभिभूत करने वाला है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह इस यूनिवर्स में शामिल होकर एन्जॉय कर रही हैं। साथ ही आलिया भट्ट के साथ काम करने को लेकर भी काफी एक्साइटेड हैं।

खुला पत्र

स्वास्थ्य विभाग में चल रहा है गजब का खेल...

» 4.5 करोड़ रूपये का मच्छरदानी सप्लाई,आर्डर के बाद किसके ईशारे पर रोका गया... ?

» कई जिलों में एनएचएम से अचार संहिता के ठीक पहले हुआ खरीदी का आर्डर भी संदेहास्पद...

» आनन-फानन में बिना भौतिक सत्यापन के हुआ एयर और वाटर कूलर सप्लाई...

» स्वास्थ्य केन्द्रों को जारी करनी थी राशि लेकिन सीधे जिलों को की गई जारी...आखिर क्यों...

» लगातार विवादों में प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,19 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज दबाने का कुत्सित प्रयास कर रहे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है...भर्राशाही चरम सीमा पर है...करोड़ो की खरीदी में जमकर लीपापोती की जा रही है...आलम यह है कि बीते लोकसभा चुनाव के अचार संहिता के ठीक पहले आनन-फानन में 50 करोड़ से समानों की खरीदी मनमुताबिक नियमों को दरकिनार करते हुए की गई है। दिलचस्प पहलू यह है कि एक ही दिन ऋय समिति की बैठक से लेकर ऋय आदेश भी जारी कर दिया गया। वहीं एक अन्य मामले में मिल रही जानकारी के अनुसार प्रदेश भर में मच्छरदानी सप्लाई हेतु जिस फर्म को आर्डर दिया गया था अब उसे मंत्री के ईशारे पर ही रोक दिया गया है। इस प्रकार का हाल प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का बना हुआ है...सारा का सारा खेल सूत्रों के मुताबिक विभागीय दलालों से लेकर सप्लायरों और मंत्री के विवादित स्टॉफ के द्वारा ही खेला जा रहा है...। इन्हीं कमियों को जब घटती-घटना अखबार द्वारा संज्ञान में लाया जा रहा था तब उसे मंत्री द्वारा नजर अंदाज किया जाता रहा है और बाद में कमियों की खबर प्रकाशित ना हो इसके लिए मंत्री के ईशारे पर विभागीय विज्ञापनों को रोक दिया गया है। लेकिन मंत्री से सवाल है कि आखिर कब तक!

यह है मामला

एनएचएम द्वारा जारी राशि में से लोकसभा चुनाव अचार संहिता के ठीक पहले खरीदी में जमकर भर्राशाही की गई है। विभागीय सूत्रों ने बतलाया कि प्रदेश के स्वास्थ्य केन्द्रों में तीन सीटर वेटिंग चेयर,एयर कूलर और वाटर कूलर खरीदने के लिए अचार संहिता के ठीक पहले 15 मार्च को बजट का आबंटन किया गया,बजट सीधे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र,उप स्वास्थ्य केन्द्र,सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को जारी किया जाना था लेकिन नियमों को ताक पर रखकर जिलों को जारी कर दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी अनटाईड फंड को नियम विरूद्ध जारी करना भी कई संदेह को जन्म देता है...। 15 मार्च को बजट का आबंटन होते ही उसी दिन ऋय समिति की बैठक कर तत्काल सप्लाई आर्डर भी उसी दिन जारी कर दिया गया था। प्रदेश के कई जिलों में इस तरह की भर्राशाही हुई...यहां तक कि जो सामग्री सप्लाई हुई वह भी गुणवत्ता विहीन थी...। सूत्रों का कहना है कि चुनाव अचार संहिता लागू होने की भनक होने के कारण आनन-फानन में यह सब खेल-खेला गया था। सामग्री खरीदी के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से निर्देश दिया था जिसके तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत प्रदेश के 22 जिलों के लिए 50 करोड़ रूपये स्वीकृत हुए थे। जबकि अचार संहिता के ठीक पहले 15 मार्च को अतिरिक्त आबंटन जारी किया गया। बतलाया जाता है कि कई जिलों मे तत्परता दिखलाते हुए आनन-फानन में एक ही दिन में क्रय समिति की बैठक कर सप्लाई आर्डर जारी किया गया था एवं फर्मो को एक सप्ताह के भीतर सामग्री देने को कहा गया था लेकिन फर्मो के द्वारा मई तक सप्लाई दिया गया। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भर्राशाही का एक और मामला सामने आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग 4.5 करोड़ की राशि से मच्छरदानी सप्लाई का आर्डर रायपुर के एक व्यापारी को कुछ दिन पहले ही किया गय था लेकिन आर्डर के बाद उसे फिलहाल रोक दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि पहले दूसरे दलाल और सप्लायरों के माध्यम से बात जमी थी लेकिन बाद में दूसरे दलाल और सप्लायरों की एंट्री होने से सप्लाई आर्डर रोका गया है। और संभवतः पहले वाले व्यापारी को अब आर्डर नहीं दिये जाने का मन बनाया गया है जैसी चर्चा विभाग में हो रही है। सवाल उठता है कि प्रदेश में मलेरिया से लगातार मौतें हो रही है और प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग, मच्छरदानी सप्लाई रोक कर अपनी पीठ थपथपा रहा है।

क्या इन खबरों को प्रकाशित करना गुनाह है मंत्री जी?

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की चाल मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के प्रभार संभालने के बाद से लगातार बिगड़ती जा रही है, मंत्री का विवादित अफसरों, स्टॉफ, दलाल और सप्लायरों से घिरे रहना इसका प्रमुख कारण है। विभाग में तमाम प्रकार की कमियां देखने को मिल रही हैं,अचार संहिता के ठीक पहले आनन फानन में सप्लाई आर्डर और मच्छरदानी सप्लाई आर्डर रोकना यह एक नमूना मात्र है। और इसी प्रकार की कमियों से लगातार मंत्री को सचेत किया जा रहा था लेकिन मंत्री ने उसे दूसरे अंदाज में लेते हुए अपने पद का दूरूपयोग करते हुए ऐसा काम किया जिसका लोकतंत्र और स्वच्छ राजनीति में कदापि स्थान नही है। फिर स्वास्थ्य मंत्री से सवाल है कि यह जो खबरें लिखी गई हैं क्या इन्हे प्रकाशित करना गुनाह है। यदि कमियों और भर्राशाही, भ्रष्टाचार की खबरों का प्रकाशन करना गुनाह है तो गुनाह ही सही स्वास्थ्य मंत्री जी।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)